



# सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, बुधवार, 30 अक्टूबर, 2024

कार्तिक 8, 1946 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

गृह (पुलिस) अनुभाग-12

संख्या यू०ओ०-76/छ:-पु०-12-2024

लखनऊ, 30 अक्टूबर, 2024

अधिसूचना

प०आ०-295

दिनांक 2 जुलाई, 2024 को ग्राम फुलरई मुगलगढ़ी, थाना सिकंदराराऊ, जिला हाथरस में श्री साकार नारायण विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग कार्यक्रम में घटित घटना के सम्बन्ध में लोकहित में जांच कराया जाना आवश्यक है। जिसमें उक्त सत्संग सम्पन्न होने के पश्चात सेवादार एवं स्थानीय आयोजक भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सके और अचानक भगदड़ मच गई जिसमें 100 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई तथा कुछ लोग घायल हो गए। अतएव विषयवस्तु की व्यापकता तथा जाँच की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु जाँच आयोग अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 60, सन् 1952) की धारा 3 द्वारा शासन के पत्र संख्या यू०ओ०-50/छ:-पु०-12-2024, दिनांक 3 जुलाई, 2024 के माध्यम से श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव (द्वितीय), मा० न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त), इलाहाबाद उच्च न्यायालय की अध्यक्षता में त्रिसदस्यीय न्यायिक जाँच आयोग गठित करते हुए मा० आयोग से यह अपेक्षा की गयी कि आयोग इस अधिसूचना के निर्गत होने के दिनांक से दो माह की अवधि के भीतर जाँच पूरी करेगा।

2-सचिव, कार्यालय त्रि-सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग, लखनऊ द्वारा पत्र, दिनांक 13 अगस्त, 2024 के माध्यम से घटित घटना से सम्बन्धित साक्षीगण आदि की संख्या अत्यधिक होने के कारण माह सितम्बर, 2024 तक कथन अंकित करने की कार्यवाही अनवरत रूप से प्रचलित रहने के दृष्टिगत जाँच कार्यवाही को अन्तिम किये जाने हेतु कम-से-कम दो माह का अतिरिक्त समय प्रदान किये जाने के अनुरोध के दृष्टिगत शासन की अधिसूचना संख्या I/731681/2024, दिनांक 2 सितम्बर, 2024 के माध्यम से त्रि-सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग, लखनऊ का दो माह का अतिरिक्त कार्यकाल जो, दिनांक 3 सितम्बर, 2024 से आगणित किया जायेगा, बढ़ाया गया।

3-सचिव, कार्यालय त्रि-सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग, लखनऊ द्वारा पत्र, दिनांक 14 अक्टूबर, 2024 के माध्यम से आयोग की जाँच कार्यवाही अनवरत रूप से प्रचलित रहने के दृष्टिगत जाँच कार्यवाही को अन्तिम किये जाने हेतु कम-से-कम दो माह का अतिरिक्त समय प्रदान किये जाने की आवश्यकता बतायी गयी है।

4-प्रकरण की गंभीरता/संवेदनशीलता के दृष्टिगत प्रकरण के सम्बन्ध में प्रचलित जांच की कार्यवाही पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत किये जाने हेतु राज्यपाल, एतद्वारा 1 माह का अतिरिक्त कार्यकाल जो, दिनांक 2 नवम्बर, 2024 से आगणित किया जायेगा, बढ़ाये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं।

आज्ञा से,  
दीपक कुमार,  
अपर मुख्य सचिव।